

फागन आया है

मन में बाजी शेहनाई के फागन आया है,
फागन आया है फागन तो आया है,

कार्तिक सुधि की ग्यारस ज्यू ज्यू है बीते जाती,
चंग धमालो की गूंजे कानो मेरे है आती,
सब प्रेमी नाचे है संग श्याम भी नाचे है,
और मुख से भाजे है, फागन आया है,

टिका कटा लेते है खाटू नगरिया जाते,
पैदल मिले रिंस् से श्याम निशान उठाते,
हम पैदल चलते है नाम श्याम का जपते है,
और हिवडे से कहते फागन तो आया है,

खाटू जो हम पौंचे दरबार में हम जाए,
अपने बाबा को हम होली का रंग लगाये,
हम निशान चडाते है वो किरपा वसति है हम मौज में गाते है,
फागन तो आया है

फागन की वो बारस जैसे ही निडे आती,
पलके बिहगी केशव की नजरे नीर मये बहाती.
हम अक्श बहाते है तोरण द्वार पे आते है,.
रोते अधर ये कह देते,
फागन बीता रे

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14972/title/fagan-aaya-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |